मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MAJY–005

एम. ए. (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.ए.जे.वाई.–005 : ज्योतिर्विज्ञान

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-प्रत्र दो खण्डों में विभक्त है।*

(ii) दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* 3×20=60

1. दैवज्ञ वराहमिहिर का परिचय दीजिए और उनके द्वारा रचित ग्रन्थों का विवेचन कीजिए।

2. वैदिक आचार्य महात्मा लगध की रचनाओं और जीवन पर निबन्ध लिखिए।

3. सिद्धान्तशिरोमणि के कर्ता और उनकी रचनाओं पर निबन्धात्मक लेख लिखिए।

4. बटेश्वर एवं श्रीपति के जीवन और कृतियों का वर्णन विस्तार से कीजिए।

5. गणेश दैवज्ञ की कृतियों एवं जीवन पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

6. ज्योतिष में राजा सवाई जयसिंह के योगदान को रेखांकित करते हुए उन पर निबन्ध लिखिए।

खण्ड—ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।* $4 \times 10 = 40$

7. लल्लाचार्य कौन थे ? उनकी रचनाओं के बारे में लिखिए।

8. आचार्य केशव का ज्योतिषशास्त्र में क्या योगदान रहा है ?

9. सिद्धांत ज्योतिष के भेदों का विवेचन कीजिए।

10. ज्योतिष के प्रमुख आचार्यगणों का यथामति वर्णन कीजिए।

11. कमलाकर भट्टजी के जीवन पर प्रकाश डालिए।

12. सिद्धांत ज्योतिष में वेध एवं गोलीय यन्त्रों का क्या महत्व है ?

13. बाल गंगाधर तिलकजी की रचनाओं और जीवन पर प्रकाश डालिए।

14. आर्यभट्ट का ज्योतिषशास्त्र में क्या योगदान रहा है ?

× × × × × × ×